www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 23 | जौनपुर, मंगलवार, 08 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

आरबीआई ने रिवर्स रेपो नीलामी के माध्यम से जुटाई 3.53 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि

मुंबई, (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में मौजूद अतिरिक्त नकदी को नियंत्रित करने के लिए सोमवार को एक दिन की अवधि वाली ओवरनाइट वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के माध्यम से 3.53 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि जुटाई है। यह कदम वित्तीय प्रणाली में बढ़ी हुई तरलता को संतुलित रखने और मौद्रिक स्थिरता बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।भौगोलिक संदर्भ आरबीआई के एक बयान के अनुसार, इस रिवर्स रेपो नीलामी के लिए 5 लाख करोड़ रुपए की राशि अधिसूचित की गई थी, जिसके मुकाबले बैंकों और वित्तीय संस्थानों से 3,53,390 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं। केंद्रीय बैंक ने प्राप्त पूरी राशि को स्वीकार कर लिया, जो अधिसूचित राशि का लगभग 70 प्रतिशत से अधिक है।केंद्रीय बैंक ने बताया कि पूरी राशि 5.24 प्रतिशत की कट–ऑफ दर और भारित औसत दर पर स्वीकार की गई। रिवर्स रेपो नीलामी के माध्यम से बैंक अपनी अतिरिक्त नकदी आरबीआई के पास जमा करते हैं और बदले में उन्हें ब्याज प्राप्त होता है। इससे बाजार में उपलब्ध अतिरिक्त धनराशि कम होती है और तरलता पर नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलती है। वीआरआरआर नीलामी आरबीआई की एक महत्वपूर्ण मौद्रिक नीति व्यवस्था है, जिसका उपयोग तब किया जाता है जब बैंकिंग प्रणाली में आवश्यकता से अधिक नकदी उपलब्ध हो। यह उपाय मुद्रास्फीति संबंधी जोखिमों को सीमित करने और ब्याज दरों के प्रभावी संचालन में सहायता करता है।हाल के महीनों में बैंकिंग प्रणाली में तरलता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिसका प्रमुख कारण आरबीआई द्वारा इस वर्ष 8 जून को शुरू की गई विशेष एफसीएनआर (बी) जमा योजना, विदेशी मुद्रा उधारी और बाह्य वाणिज्यिक ऋणों के लिए उपलब्ध कराई गई विशेष डॉलर–रुपया स्वैप सुविधा रही है। इस योजना के तहत भारत में विदेशी मुद्रा का रिकॉर्ड प्रवाह देखने को मिला है।

पीएम मोदी ने वडोदर में 35 हजार करोड़ की परियोजनाओं का किया उद्घाटन

वडोदर, (एजेंसी)। (दूसरा पैरा में सुधार के साथ) वडोदरा, आठ सितंबर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में पिछली कांग्रेस नीत सरकार पर ''विकास कार्यों की धीमी गति'' को लेकर मंगलवार को निशाना साधते हुए कहा कि ''नाराज फूफा'' अब समर्पित माल ढुलाई गलियारे के ट्रक चालकों पर पड़ने वाले असर को लेकर सवाल उठाएंगे। मोदी ने गुजरात के वडोदरा में आयोजित एक कार्यक्रम में 35,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''भारत ने 2014 के बाद 50,000 आधुनिक रेल कोच बनाए। पिछली (कांग्रेस) सरकार 10 साल में 50,000 शौचालय भी नहीं बना सकी।''

मोदी ने समर्पित माल ढुलाई गलियारा (पश्चिम) के तीन प्रमुख खंडों का उद्घाटन किया। यह गलियारा नवी मुंबई के जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह को उत्तर प्रदेश के दादरी से जोड़ता है। इन खंडों के उद्घाटन के साथ ही यह परियोजना पूरी हो गई। मोदी ने कहा, ''समर्पित माल ढुलाई गलियारे तेजी से विकसित हो रहे भारत की जीवनरेखा हैं। इस आधुनिक माल ढुलाई नेटवर्क के कारण भारत में बदलाव की रफ्तार तेज हो रही है।'' उन्होंने कहा कि पहले यात्री और मालगाड़ियों को एक ही रेल पटरी पर चलना पड़ता था, जिससे यात्री और माल परिवहन दोनों की रफ्तार धीमी होती थी लेकिन समर्पित माल ढुलाई गलियारे ने इस स्थिति को बदल दिया है। मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, ''अब नाराज फूफा चिल्लाएंगे कि ट्रक वालों का क्या होगा? फूफा को अब कुछ काम मिल गया है।'' उन्होंने कहा, ''मैं 2014 के बाद आपके आशीर्वाद से जब दिल्ली पहुंचा तो वहां पहुंचते ही हमने इस परियोजना के काम में तेजी लानी शुरू कर दी। आज समर्पित माल ढुलाई गलियारे का काम पूरा हो गया है।'

सीएम योगी ने आंध्र में सुनाई गांवों की कहानी, बोले– नई पीढ़ी ग्लोबल होने के साथ अपनी जड़ों से भी जुड़े

लखनऊ, (संवाददाता)। आंध्र प्रदेश के वेंकटचलम (नेल्लोर) में मंगलवार को हुए स्वर्ण भारत ट्रस्ट के 25वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक दौर ने देश की स्वावलंबी ग्रामीण व्यवस्था को कमजोर किया, लेकिन गांवों की आत्मा कभी समाप्त नहीं हुई। उन्होंने कहा कि स्वर्ण भारत ट्रस्ट का ब्रिज स्कूल और यूपी के अटल आवासीय विद्यालय समान सोच के साथ वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य ऐसी नई पीढ़ी तैयार करना है, जो ग्लोबल और आधुनिक तकनीक से लैस हो। उसके हृदय में अपनी संस्कृति पर गर्व, संवेदनशीलता और नेशन फर्स्ट की भावना हो। उन्होंने ट्रस्ट के संस्थापक पूर्व उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू को उत्तर व दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक व आध्यात्मिक सेतु बताया। कहा, भारत की सभ्यता की शक्ति गांव रहे हैं। सदियों तक अर्थव्यवस्था, सामाजिक जीवन और संस्कृति के केंद्र भी रहे। वे उत्पादन, ज्ञान और जल संरक्षण के साथ कला–शिल्प के केंद्र तथा सामाजिक मूल्यों की मूल इकाई भी रहे हैं। कृषि, पशुपालन, शिल्प, व्यापार, स्थानीय संस्थाएं, सभी एक दूसरे से जुड़ी थीं। गांव की अर्थव्यवस्था में एक का उत्पादन दूसरे की आजीविका बनता था। महात्मा गांधी का आह्वान था बैक टू विलेज। वे ग्राम स्वराज के माध्यम से ऐसा गांव चाहते थे जो आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और अपनी जरूरतों के लिए निर्णय लेने में समर्थ हो। सीएम ने कहा, महात्मा गांधी की सोच को आगे बढ़ाते हुए वेंकैया नायडू ने 2001 में अपने आठ साथियों के साथ स्वर्ण भारत ट्रस्ट की शुरुआत की ।

सशस्त्र बलों को खतरों से निपटने के लिए पूरी आजादी – रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों को खतरों का निर्णायक जवाब देने के लिए आजादी और संसाधन दोनों दिए गए हैं, जिसमें दुश्मनों के इलाके में घुसकर उन पर हमला करना भी शामिल है। ए यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि शांति और कमजोरी के बीच स्पष्ट अंतर है। उन्होंने कहा कि अगर कोई देश भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो कोई बातचीत नहीं होगी। इसके बजाय, हमारे रक्षा बल मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि भारत शांति में विश्वास करता है और युद्ध या किसी इलाके पर कब्जा नहीं चाहता, लेकिन डर से पैदा हुई शांति निंदनीय है, जबकि शांति के लिए लड़ा गया युद्ध सम्मान के योग्य है। सिंह ने कहा कि दुश्मनों ने कई तरीकों से भारत की सुरक्षा को कमजोर करने की कोशिश की है, जिसमें जम्मू–कश्मीर में युवाओं को गुमराह करना, भारत–विरोधी गतिविधियों के लिए फंडिंग करना, आतंकवाद फैलाना और समाज में बंटवारा पैदा करना शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने पुनर्वास, कट्टरपंथ से दूर करने और रोजगार के अवसर पैदा करके इन मंसूबों को नाकाम कर दिया है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद से जम्मू–कश्मीर ने अभूतपूर्व प्रगति देखी है। भारत की आतंकवाद–विरोधी रणनीति पर बात करते हुए रक्षा मंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयरस्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया, जिनमें आतंकवादियों और उनके आकाओं को निशाना बनाया गया था।

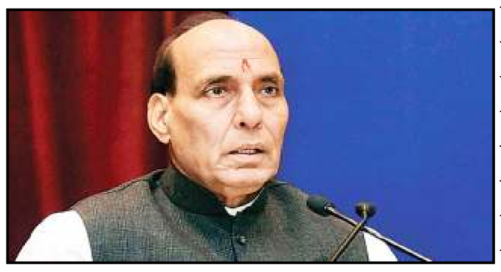

बंगाल में दुर्गापूजा की समितियों को लेकर भाजपा सरकार के बड़े ऐलान, 1 लाख का अनुदान और मुफ्त बिजली

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार ने राज्य के सबसे बड़े धार्मिक–सांस्कृतिक उत्सव दुर्गापूजा को लेकर कई अहम फैसलों की घोषणा की है। कोलकाता के मिलन मेला प्रांगण में मंगलवार शाम हुई समन्वय बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पूजा समितियों के लिए एक लाख रुपये के सरकारी अनुदान से लेकर मुफ्त बिजली, दमकल लाइसेंस शुल्क में छूट और पूजा ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को अतिरिक्त अवकाश देने तक कई बड़े ऐलान किए। म्ततवत सवंकपदह ंके. एक लाख रुपये का अनुदान मुख्यमंत्री ने पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान शुरू की गई पूजा समितियों को वार्षिक आर्थिक सहायता देने की व्यवस्था को जारी रखने का फैसला किया है। इसके तहत इस वर्ष पंजीकृत पूजा समितियों को एक–एक लाख रुपये का सरकारी अनुदान दिया जाएगा। हालांकि, मुख्यमंत्री ने बड़े बजट और आर्थिक रूप से सक्षम पूजा आयोजकों से सरकारी सहायता नहीं लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि अनुदान लेना पूरी तरह वैकल्पिक होगा और सक्षम समितियों द्वारा इसे छोड़ने पर वह व्यक्तिगत रूप से उनका आभार व्यक्त करेंगे। सरकार का जोर छोटे और सीमित बजट वाले पूजा आयोजकों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर रहेगा। पंडालों में बिजली और दमकल शुल्क माफ पूजा आयोजकों को एक और बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि इस बार दुर्गापूजा पंडालों में बिजली इस्तेमाल करने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा दमकल विभाग से जरूरी लाइसेंस लेने के लिए भी पूजा समितियों को किसी तरह का शुल्क नहीं देना होगा। जो समितियां सरकारी अनुदान लेना चाहेंगी, उन्हें थाने में आवेदन करना होगा। वहीं, आर्थिक सहायता नहीं लेने वाली समितियों के लिए थाने में आवेदन की बाध्यता नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि अनुदान लेने या नहीं लेने का फैसला किसी राजनीतिक समर्थन या विरोध से जोड़कर नहीं देखा जाएगा।

सीएम सरमा ने असम दौरे के लिए उपराष्ट्रपति को कहा धन्यवाद, तमिलनाडु के साथ संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों को सराहा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का राज्य के उनके पहले दौरे के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रगति पर उनके विचार और तमिलनाडु के साथ सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंध मजबूत करने पर उनका जोर लोगों, खासकर छात्रों को प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट में कहा कि उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन की यात्रा असम के शिक्षा क्षेत्र में कई अहम पड़ावों की गवाह बनी। उन्होंने राज्य के लोगों की ओर से आभार व्यक्त किया, क्योंकि उपराष्ट्रपति अपनी यात्रा के अगले चरण के लिए आगे बढ़े। म्ततवत सवंकपदह ंके. मुख्यमंत्री ने कहा, ष्उनका मार्गदर्शन और ज्ञान भरी बातें हम सभी के लिए, खासकर असम के छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत होंगी।ष उन्होंने असम और तमिलनाडु के बीच सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान–प्रदान को मजबूत करने पर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के जोर का भी स्वागत किया और दोनों राज्यों की साझा विरासत को नई संभावनाओं के लिए एक पुल बताया। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि इस तरह का आदान–प्रदान श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश की भावना को दर्शाता है और दोनों क्षेत्रों के बीच बेहतर समझ और सहयोग में योगदान दे सकता है।भौगोलिक संदर्भ सोमवार को गुवाहाटी विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने किसी सभ्यता की यादों, ज्ञान और पहचान को संजोने में भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने असमिया और तमिल साहित्यिक कृतियों के एक–दूसरे की भाषा में अनुवाद की सराहना की और असम तथा तमिलनाडु के बीच अधिक शैक्षणिक और साहित्यिक बातचीत का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति ने अंकुरन दत्ता और नानी गोपाल महंता द्वारा संपादित श्भूपेन हजारिकारू हंड्रेड इयर्स ऑफ ए वांडरिंग सॉन्ग्सश और श्चंद्रकांत अभिधानश के पांचवें संशोधित और विस्तारित संस्करण का विमोचन किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने लुप्तप्राय भाषाओं, बहुभाषावाद, ब्रह्मपुत्र बेसिन, पर्यावरणीय स्थिरता और भारतीय ज्ञान प्रणालियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के शोध की भी प्रशंसा की।

नाभा जेल ब्रेक दोषी को आम आदमी पार्टी में शामिल करने पर कांग्रेस का सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल से पंजाब में सत्ताधारी पार्टी में कथित गैंगस्टर गुरप्रीत सेखों को शामिल करने पर सवाल किया। गुरप्रीत नाभा जेल ब्रेक मामले का मास्टरमाइंड था। वड़िंग ने दिल्ली में पार्टी के नए नियुक्त राज्य प्रभारी सचिन पायलट से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पायलट हमेशा से देश में बहुत लोकप्रिय और मांग वाले नेता रहे हैं। म्ततवत सवंकपदह ंके. उन्होंने कहा कि जब वह इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष थे, तब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के बाद सचिन पायलट की हमेशा बहुत मांग रहती थी। बाद में मीडिया से बात करते हुए वड़िंग ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस की पूरी राज्य इकाई एकजुट है और जल्द ही पूरी लीडरशिप एक ही मंच पर दिखाई देगी। गैंगस्टर सेखों को आप में शामिल किए जाने के सवाल पर राज्य कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी निराशा और हताशा में गंदी राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि आप सेखों को जीरा (फिरोजपुर जिला) से मैदान में उतारने की योजना बना रही थी, जबकि उस विधानसभा क्षेत्र से पहले से ही उनका एक मौजूदा विधायक है। साफ है कि आपने अपनी राजनीतिक जमीन खो दी है और अब आने वाले विधानसभा चुनावों में गैंगस्टरों का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही है। वड़िंग ने केजरीवाल को याद दिलाया कि जब 2016 में नाभा जेल से भागने की घटना हुई थी, तो उन्होंने पंजाब में कानून–व्यवस्था की आलोचना की थी।

महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के बिना भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में आगे नहीं बढ़ सकता – लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व की पैरवी पुरजोर तरीके से की है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान ऐतिहासिक आवश्यकता है। विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं और पेशों में महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति से वो दिन दूर नहीं जब 50 प्रतिशत नेतृत्व महिलाओ के हिस्से होगा। आधी आबादी की आने वाले वर्षों में राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्रों में महिलाओं की एक नई पीढ़ी उभरकर सामने आएगी। बिरला ने सोमवार को फरीदाबाद में राष्ट्रीय महिला आयोग (छॅब्) द्वारा आयोजित "लिंग–उत्तरदायी शासन" विषय पर दो दिवसीय अखिल भारतीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि अब ध्यान केवल सहायता और अवसर प्रदान करने से हटकर महिलाओं को नीतियों, कार्यक्रमों और कानूनों को सक्रिय रूप से आकार देने में सक्षम बनाने पर होना चाहिए। महिलाओं को स्वयं उन कानूनों को तय करने में भाग लेना चाहिए जो उनकी चिंताओं और आकांक्षाओं का समाधान कर सकें। उन्होंने समानता के प्रति संवैधानिक प्रतिबद्धता और महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण व आत्मनिर्भरता के लिए उठाए गए विभिन्न विधायी उपायों का जिक्र किया। बिरला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राष्ट्रीय महिला आयोग जैसी संस्थाओं की उभरती चुनौतियों की पहचान करने और समाधान सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। महिला विधायककृलोकसभा, राज्य विधानसभाओं, पंचायतों और नगर पालिकाओं के माध्यम सेकृमहिलाओं के मुद्दों को उचित मंचों तक पहुंचाने और यह सुनिश्चित करने में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं कि कानून जमीनी वास्तविकताओं के अनुकूल हों। इस बात पर भी जोर दिया कि देश की लगभग आधी आबादी वाली महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के बिना भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर आगे नहीं बढ़ सकता।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय दोगुना,सहायिकाओं को भी बड़ी सौगात

सीएम योगी ने अयोध्या में नव नियुक्त कार्यकत्रियों–सहायिकाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

पांच लाख तक कैशलेस इलाज की सुविधा का ऐलान

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या की धरती से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को बड़ी सौगात दी।जीआईसी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को साड़ी वितरित की और नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। नन्हे–मुन्ने बच्चों से आत्मीयता से मिले मुख्यमंत्री ने उन्हें चॉकलेट भी दी।कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्य कत्रियों के मानदेय में बड़ी वृद्धि की घोषणा की गई। अब कार्यकत्रियों का मानदेय 6 हजार रुपये से बढ़कर 12 हजार रुपये तथा आंगनबाड़ी सहायिकाओं का मानदेय 4 हजार रुपये से बढ़कर 6 हजार रुपये होगा। इसके साथ ही कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा भी मिलेगी।सरकार के इस निर्णय को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के लिए बड़ी सौगात माना जा रहा है।मेधावी छात्राओं और उत्कृष्ट पर्यवेक्षिकाओं का सम्मान मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मेधावी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिकाओं को भी सम्मानित किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही हैं।स्टॉलों पर पहुंचे सीएम, योजनाओं की ली जानकारी कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए थे।इनमें मिशन शक्ति अभियान, आंगनबाड़ी केंद्र, महिला कल्याण विभाग, स्मार्ट सॉल्यूशंस और सीएसआर के स्टॉल प्रमुख रहे। मुख्यमंत्री ने स्टॉलों का निरीक्षण किया और वहां मौजूद कर्मचारियों से योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली। मिशन शक्ति स्टॉल का नेतृत्व महिला थाना प्रभारी आशा शुक्ला कर रही थीं।उसके बाद हनुमानगढ़ी और रामलला के दरबार में पहुंचे मुख्यमंत्री कार्यक्रम में संबोधन समाप्त करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जीआईसी से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचकर दर्शन–पूजन किया। इसके बाद श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन–पूजन किए। दर्शन के बाद मुख्यमंत्री लखनऊ के लिए रवाना हो गए।कार्यक्रम में पूर्व सांसद लल्लू सिंह, अयोध्या प्रभारी एवं कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।वहीं अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन प्रवीण कुमार, मंडलायुक्त राजेश कुमार, डीआईजी अयोध्या,जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी समेत तमाम अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

समझौते कृषक हितों के खिलाफ

कहना कठिन है कि किसानों का संघर्ष कितना प्रभावी होगा। लेकिन यह साफ है कि किसान– मजदूर वर्गों में वर्तमान आर्थिक नीतियों के खिलाफ लामबंद होने की जरूरत का अहसास लगातार गहरा रहा है। किसान संगठन फिर आंदोलन की राह पर हैं। गुजरे दस अगस्त को उन्होंने श्जेल भरोश् मुहिम चलाई। अब वे सांसद और विधायकों सहित सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपना मांग–पत्र सौंप रहे हैं। उनकी मांगों और घोषित रणनीति पर गौर करें, तो संकेत मिलता है कि अकेले लड़ाई लड़ने की अपर्याप्तता का उन्हें अहसास हुआ है। इसलिए उन्होंने अपने संघर्ष में खेतिहर और शहरी मजदूरों को शामिल करने के साथ–साथ अपने मांग–पत्र में संघीय व्यवस्था तथा अर्थव्यवस्था की आम दिशा से जुड़े मुद्दों को भी शामिल किया है। उनका आरोप है कि केंद्र श्कॉरपोरेट केंद्रित्य नीतियों को आगे बढ़ा रहा, जिसकी मार किसान, मजदूर एवं आम मध्यम वर्ग पर पड़ी है। इसलिए अपने को कृषि क्षेत्र तक सीमित रखने के बजाय संयुक्त किसान मोर्चा ने अपने मांग–पत्र को आजीविका, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा के बड़े दायरे से जोड़ा है। उनकी एक प्रमुख मांग है कि कर राजस्व का राज्यों को दिए जाने वाले हिस्से की मात्रा 31 से बढ़ा कर 50 फीसदी की जाए। मोर्चा का तर्क है कि कृषि संकट हल करने, कृषि आधारित औद्योगीकरण और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए राज्यों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता मिलना अनिवार्य है। मांग पत्र में भारत– अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते के लिए जारी वार्ता पर विरोध जताया गया है। साथ ही हाल में हुए तमाम मुक्त व्यापार समझौतों को रद्द करने की मांग भी गई है। किसान संगठनों का दावा है कि ये सारे समझौते कृषक हितों के खिलाफ हैं। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य, व्यापक कृषि कर्ज माफी, 200 दिन काम की गारंटी और 700 रुपये प्रति दिन मजदूरी के प्रावधान के साथ मनरेगा की बहाली, चार श्रम संहिताओं को रद्द करने, भूमि अधिकारों के संरक्षण, और बिजली निजीकरण एवं बीज विधेयकों की वापसी की मांग भी दोहराई गई है। फिलहाल, कहना कठिन है कि इस बार अधिक बड़ा मोर्चा बनाकर किसानों ने संघर्ष का जो एलान किया है, वह असल में कितना प्रभावी होगा। लेकिन यह जरूर है कि किसान–मजदूर वर्गों में आर्थिक नीतियों की वर्तमान दिशा के खिलाफ लामबंद होने की जरूरत का अहसास लगातार गहराता जा रहा है।

मोदी के भाषण में गायब छात्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषणों और बयानों को सुनकर ऐसा आभास होने लगा है कि उनके दिलों दिमाग पर सत्ता खोने का डर बुरी तरह छा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में छात्रों को संबोधित किया। उनकी कोशिश थी कि इंस्टाग्राम रील बनाकर जिस जेन जी को अपने साथ न किया जा सका, कम से कम उसे आमने–सामने संबोधित कर प्रभावित किया जाए। लेकिन वहां भी मोदी नाकाम दिखे। उन्होंने इस संस्थान के पूर्व छात्रों को जेन जी की भाषा में ओजी यानी ओरिजनल गैंग्स्टर बताया और कहा कि वे धुरंधर भले न हों, पर दुनियाभर में धूम तो मचाई है। यह बात समझ से परे है कि प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा व्यक्ति किस तरह इतने हल्के अंदाज में बात कर सकता है। मोदी को तो किसी भी तरह राहुल गांधी से होड़ करनी है। लेकिन मोदी भूल रहे हैं कि राहुल गांधी अपनी भाषा का स्तर नहीं गिराते, कोई छिछोरेपन की बात युवाओं से नहीं करते। बल्कि वे छात्रों से जुड़ने के लिए सीधा संवाद करते हैं। छात्रों की गूंज हो या फिर कोई और मंच राहुल के साथ अपने विचार साझा करने के लिए युवाओं में उत्साह देखा जाता है, जो मोदी के कार्यक्रमों में नदारद रहता है।इसलिए शायद जब मोदी एसआरसीसी गए तो मेट्रो से सफर किया, कुछ वीडियो आए हैं, जिसमें वो छोटे बच्चों यानी जेन अल्फा से बात कर रहे हैं, लेकिन क्या बात कर रहे हैं, यह पता नहीं क्योंकि वीडियो से आवाज हटा दी गई है। अगर मोदी को आम लोगों की तरह खुद को दिखाने का शौक है तो फिर उन्हें अपने प्रचार के तरीके भी बदलने पड़ेंगे। खैर मोदी जब एसआरसीसी पहुंचे तो उनका पूरा भाषण चुनावी अंदाज में राहुल गांधी, पिछली कांग्रेस सरकार और बाकी विपक्ष पर हमले में बीता। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बार स्वतंत्रता दिवस भाषण में इस्तेमाल किए गए श्दीमागी नक्सलश् शब्द को दोहराया और कहा कि लाल किले से उन्होंने इस नाम की जैसे ही श्होम्योपैथीश् की गोलीश् दी, वैसे ही देश में मौजूद श्दिमागी नक्सलश् एक–एक करके सामने आने लगे। वहीं मोदी ने राहुल के छात्र संवाद अभियान श्छात्रों की गूंजश् पर भी तंज कसते हुए उसे श्झूठ की गूंजश् करार दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि श्सच की हुंकार के आगे झूठ की गूंज टिक नहीं सकेगीश्।लेकिन समस्या ये है कि मोदी तय नहीं कर सकते हैं कि सच क्या है और झूठ क्या। यह तो देश की जनता देख रही है कि मोदी की प्राथमिकताओं में छात्र कहीं हैं ही नहीं। अगर होते तो न जंतर–मंतर पर प्रदर्शन की जरूरत पड़ती और न दिल्ली से लेकर बिहार तक छात्रों पर पुलिस अत्याचार की खौफनाक कहानियां सामने आतीं। राहुल गांधी को भी छात्रों की गूंज करने की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन अब इसी कार्यक्रम को लेकर नरेन्द्र मोदी की बौखलाहट कई तरह से सामने आ रही है। जब कोटा में पहली बार राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज किया था, तब नीट पेपर लीक का मुद्दा गर्म था। भाजपा को उम्मीद ही होगी कि वक्त बीतने के साथ यह मुद्दा पुराना पड़ेगा तो फिर छात्रों की गूंज भी दब जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे इन चार जगहों पर अब राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज कार्यक्रम किया है और 19 सितंबर को इंदौर में राहुल गांधी फिर से छात्रों की गूंज के लिए पहुंच रहे हैं। हालांकि जहां राहुल नहीं जा रहे हैं, या नहीं गए हैं, वहां के छात्रों की समस्याओं को भी वो उठा ही रहे हैं। हाल ही में राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के आदिवासी छात्रों के प्रदर्शन को न केवल समर्थन दिया, बल्कि उनसे मिलने नासिक भी पहुंचे। वहीं राहुल गांधी ने बिहार में पुलिसिया दमन के शिकार छात्रों से भी मुलाकात का वीडियो शेयर किया है और लिखा है कि सोचिए, ऐसा क्या गुनाह किया था इन बच्चों ने कि इन्हें गोली मार दी गई? इन्होंने सरकार से सिर्फ तीन चीजें माँगी थीं – शिक्षा, रोजगार, और जवाबदेही। ये अपराधी नहीं थे। ये गरीब घरों के वो बच्चे थे जो अपने परिवार के सपने लेकर पढ़ने निकले थे – किसी को अच्छी नौकरी चाहिए थी, किसी को अपने घर के हालात बदलने थे।गोली के घाव भर जाएंगे – पर जो डर इन बच्चों के भीतर बैठ गया है, उसका इलाज किस अस्पताल में होता है? प्रधानमंत्री जी, मुख्यमंत्री जी – इनकी टूटी हड्डी तो जुड़ जाएगी। क्या इनका टूटा हुआ सपना आप लौटा सकते हैं? अखबार मोदी राज में देश के भविष्य यानी नयी पीढ़ी की क्या दुर्गति की जा रही है, इसके रोजाना नए–नए उदाहरण सामने आ रहे हैं। यह विडंबना ही है कि शनिवार को मोदी ने छात्रों के सामने बताया कि उनकी सरकार ने देश को खुशहाल बनाने के लिए क्या–क्या किया है और रविवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैम्पस के पास सत्य निकेतन में एक जर्जर अवस्था की पांच मंजिला इमारत बारिश में गिर गई और उसमें कई इमारत दब गए जो इस इमारत के छोटे–छोटे कमरे में रहते थे। लेकिन अपनी सरकार में हो रही ऐसी घटनाओं की जिम्मेदारी लेने की जगह नरेन्द्र मोदी अब भी कांग्रेस की पिछली सरकारों को कोसने में लगे हैं।

आईएसआरओ को कमजोर करने की साजिश हो रही या भारत को रणनीति पर काम चल रहा

नीरज

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो को धीरे–धीरे निजी हाथों के हवाले किया जा रहा है, या फिर देश एक ऐसी नई अंतरिक्ष रणनीति की ओर बढ़ रहा है जिसमें इसरो शोध और सामरिक अभियानों का कमांड सेंटर बनेगा और उद्योग उत्पादन की ताकत? यही सवाल पिछले कुछ

दिनों से भारतीय अंतरिक्ष जगत के भीतर और बाहर तेज बहस का विषय बना हुआ है। अब इसरो ने स्वयं सामने आकर स्पष्ट किया है कि न तो इसरो का निजीकरण होगा और न ही उसकी भूमिका या महत्व कम किया जाएगा। उत्पादन गतिविधियों के निजी कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों को हस्तांतरण तथा कर्मचारियों के भविष्य पर गंभीर सवाल उठाए थे। उनकी चिंता का केंद्र 21 अगस्त को अध्यक्ष पवन गोयनका की वह टिप्पणी थी, जिसमें कहा गया था कि भविष्य में इसरो प्रक्षेपण यानों का निर्माण बंद कर सकता है और उनका उत्पादन उद्योग या पीएसयू संभाल सकते हैं। इसरो का जवाब स्पष्ट है कि भूमिका बदल रही है, महत्व नहीं। एजेंसी अब उस दिशा में अपने वैज्ञानिक संसाधन केंद्रित करना चाहती है जहां उसकी विशेषज्ञता सबसे निर्णायक है। यानि फ्रंटियर रिसर्च, उन्नत प्रौद्योगिकी, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान, गहरे अंतरिक्ष और ग्रहों के मिशन तथा राष्ट्रीय और सामरिक क्षमताएं। हम आपको बता दें कि संचार, नेविगेशन और पृथ्वी अवलोकन के उन्नत पेलोड, सेंसर, प्रणोदन प्रणालियां और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकें इसरो के मूल फोकस में बनी रहेंगी। दूसरी ओर, जिन तकनीकों ने परिपक्वता हासिल कर ली है और जिनका बड़े पैमाने पर नियमित उत्पादन संभव है, उन्हें उद्योग और पीएसयू प्रतिस्पर्धी प्रक्रियाओं के माध्यम से बढ़ा सकते हैं। इसमें परिपक्व लॉन्च व्हीकल, नियमित उपग्रह और स्थापित अंतरिक्ष प्रणालियां शामिल हो सकती हैं। इसरो का तर्क है कि इससे उसके वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों का समय उत्पादन में नहीं, बल्कि भविष्य की जटिल तकनीकों और महत्वाकांक्षी अभियानों में लगेगा। यही इस बदलाव का सबसे बड़ा रणनीतिक अर्थ है। अंतरिक्ष शक्ति बनने के लिए इसरो को "फैक्ट्री" से आगे बढ़कर "टेक्नोलॉजी फ्रंटियर" पर खड़ा होना होगा। भारत ने 2030 तक सालाना 50 प्रक्षेपणों का लक्ष्य रखा है। पवन गोयनका का कहना है कि इतने बड़े पैमाने का लक्ष्य कोई एक संगठन अकेले हासिल नहीं कर सकता। इसके लिए निजी पूंजी, औद्योगिक उत्पादन क्षमता, उद्यमिता और वैश्विक बाजार तक पहुंच जरूरी है। यह पूरी व्यवस्था भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 और एफडीआई नीति के क्रमिक उदारीकरण से जुड़ी है। इसरो इसे निजीकरण नहीं, बल्कि "इकोसिस्टम विस्तार और क्षमता गुणन" बता रहा है। उद्योग, स्टार्ट–अप और अकादमिक संस्थानों को अंतरिक्ष मूल्य श्रृंखला में शामिल कर इसरो की क्षमताओं को प्रतिस्थापित नहीं, बल्कि कई गुना करने की योजना है। नई संरचना में विभागीय भूमिकाएं भी स्पष्ट की गई हैं। डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस नीति दिशा देगा, इसरो उन्नत अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और राष्ट्रीय मिशनों का मुख्य केंद्र रहेगा, गैर–सरकारी संस्थाओं की भागीदारी को सक्षम और अधिकृत करेगा, जबकि छैप्-परिपक्व क्षमताओं के व्यावसायीकरण और उद्योग–आधारित उपयोग को आगे बढ़ाएगा। लेकिन इस परिवर्तन पर सवाल खत्म नहीं हुए हैं। कर्मचारी संगठनों ने पूछा है कि नीति का कानूनी और प्रशासनिक आधार क्या है, इसका क्रियान्वयन कब होगा और मौजूदा कर्मचारियों तथा भविष्य की भर्ती पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। उनका सबसे महत्वपूर्ण तर्क है कि दशकों में विकसित इसरो की तकनीक राष्ट्रीय संपत्ति है, इसलिए उसका हस्तांतरण पारदर्शी, जवाबदेह और सामरिक तथा सुरक्षा हितों के अनुरूप होना चाहिए। विपक्ष ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक मोर्चे पर उठा लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि स्टार्ट–अप को बढ़ावा देने के नाम पर इसरो की भूमिका सीमित की जा रही है और उसकी दशकों पुरानी क्षमताएं निजी कंपनियों को सौंपी जा सकती हैं। पार्टी नेता जयराम रमेश ने इसे इसरो के "साराभाई–धवन ढांचे" को कमजोर करने की प्रक्रिया बताया। यह विवाद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाएं अब असाधारण स्तर पर पहुंच चुकी हैं। 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, 2040 तक भारतीय मानवयुक्त चंद्र मिशन, पुनरू प्रयोज्य और अगली पीढ़ी के लॉन्च सिस्टम तथा सतत चंद्र और ग्रह अन्वेषण, ये लक्ष्य साधारण व्यावसायिक विस्तार से हासिल नहीं होंगे। इसरो का कहना है कि ऐसी क्षमताओं को केवल बाजार की ताकतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। हम आपको बता दें कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था फिलहाल लगभग 8.4 अरब डॉलर आंकी गई है और लक्ष्य 2033 तक इसे 44 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है। इसलिए असली चुनौती निजी क्षेत्र बनाम इसरो नहीं, बल्कि इसरो–नेतृत्व वाले राष्ट्रीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र की सफलता है। रणनीतिक दृष्टि से यह भारत के लिए निर्णायक मोड़ है। अब सवाल यह है कि क्या भारत उत्पादन का विस्तार करते हुए अपनी संवेदनशील तकनीक, सामरिक स्वायत्तता और वैज्ञानिक नेतृत्व को सुरक्षित रख पाएगा। यदि संतुलन सही बैठा, तो निजी उद्योग इसरो की ताकत बढ़ाएगाय यदि पारदर्शिता और संस्थागत नियंत्रण कमजोर पड़े, तो राष्ट्रीय क्षमताओं के हस्तांतरण पर उठ रहे सवाल और गंभीर होंगे। इसरो ने फिलहाल अपना संदेश साफ कर दिया है कि वह पीछे नहीं हट रहा, बल्कि उत्पादन की जिम्मेदारियों से मुक्त होकर अंतरिक्ष की अगली सीमा पर छलांग लगाने की तैयारी कर रहा है।

कॅरियर की अंधी दौड़ में हांफती युवा पीढ़ी

प्रो. संजय

भारत युवाओं का देश है। जाहिर है ऐसे देश की चिंताएं बहुत अलग होती हैं। उसकी ज्यादातर आबादी को शिक्षा, रोजगार और सुंदर जीवन की कामना होती है। उनकी महत्वाकांक्षाएं, अवसरों की होड़ और दौड़। पाने की खुशी और न मिलने का आक्रोश सब साझा होते हैं। करियर में सफल होने, जल्दी और ज्यादा पाने की कामनाएं इस दौर का मूल्य हैं। ऐसे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को गहरी चुनौती है। संकट के बादल गहरे हैं। समाधान के सूत्र न्यूनतम। सरकारों में नौकरियों के दरवाजे सिकुड़ रहे हैं। ज्यादातर नौकरियां निजी क्षेत्रों में ही हैं। नौ से पांच बजे की पक्की नौकरियां अब स्वप्न ही हैं। उनकी जगह गिग इकोनामी (फ्री लांस, कांट्रैक्ट वर्क) ने ले ली है। आर्थिक स्वतंत्रता की तो छोड़िए यह माडल भविष्य की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता भी ला रहा है, जिसके नाते बढ़ता मानसिक तनाव और अवसाद संकट को गहरा कर रहा है। हिंदुस्तान अलग तरह से चलता रहा है। परिवार इसकी प्राणवायु रहे हैं। परिवार का कोई एक आदमी नौकरी पर रहता था, शेष अपने घर–इलाके–गांव में बैठकर स्थानीय स्तर पर जो कर सकते थे करते थे। परिवार की छाया में सुरक्षा थी, संरक्षण था, बच्चों को संस्कारित करने के पारिवारिक उपक्रम थे। नई व्यवस्था ने एक परिवार में कई परिवार खड़े कर दिए हैं। इससे एक की जगह अब चार परिवार, चार चूल्हे और चार व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ रही है। आप कितना भी कमा रहे हैं वह कम ही है। इसने नई पीढ़ी को ईएमआई के दुष्चक्र में फंसा कर नई व्यवस्थाओं का गुलाम बना दिया है। परिवार व्यवस्था भारत की संस्कृति का आधार रही है। वह संस्कारशाला भी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री–स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। इससे मानसिक थकान होना स्वाभाविक ही है। इस समय सबसे बड़ी चिंता कार्य और जीवन संतुलन की है। वर्क फ्राम होम और डिजिटल कनेक्टिविटी ने सारा कुछ बदलकर रख दिया है। काम के घंटे अब प्रायः 24 घंटे ही हैं। देर रात तक ई–मेल, रिपोर्ट्स और मैसेज का जवाब देते हुए युवा 'आलवेज आन' मोड में रहते हैं। जिससे पारिवारिक जीवन, व्यक्तिगत समय और नींद सब प्रभावित हो रहे हैं। बर्नआउट की बढ़ती दर, काम के अनिश्चित घंटे, स्पर्धा का वातावरण और टारगेट पूरे करने का दबाव साथ चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्लूएचओ) ने बर्नआउट को प्रोफेशनल बीमारी मान लिया है। यह अब भारतीय कारपोरेट जगत में एक अनिवार्य समस्या बन गयी है। सोशल मीडिया ने समाज में अलग तरह की स्पर्धा की छवियां प्रस्तुत की हैं। अपने सुखद, आनंद के क्षणों को वायरल करने की बीमारी दूसरे की पीड़ा का कारण बन जाती है। किसी की बड़ी पदस्थापना, उसकी पार्टियां, रील्स, पर्यटन की तस्वीरें, महंगी जीवनशैली का विज्ञापन करना, सफलताओं के हाईलाइट्स देखकर तुलना और स्पर्धा की बातें तेज होती हैं। इससे हीनभावना और तनाव का जन्म भी होता है। परिजन और बच्चे भी अपने पालकों से ऐसी ही जीवन शैली की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में युवाओं के लिए तनाव प्रबंधन की विधियां समझने और उन्हें जीवन की ठोस सच्चाइयों से जोड़ने की जरूरत है। योग, ध्यान के अनेक अभ्यास जीवन में शांति ला सकते हैं। जिंदगी के हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन ला सकते हैं। रील्स की तुरंतवादी जीवनशैली और जीवन के सतत संघर्ष को समझने की जरुरत है।सोशल मीडिया से प्रक्षेपित हो रही छवियों से प्रभावित होने के बजाए, लोगों के संघर्ष और उससे उपजी सफलताओं के पाठ भी पढ़े जाने चाहिए। नए समय ने युवाओं को उद्यमिता के पंख दिए हैं। यह पीढ़ी जोखिम उठाने और सफलताओं के नए शिखर छूने वाली पीढ़ी है। इसके मंत्र अलग हैं। वे जल्दी से सफलताओं के नए क्षितिज को छूना चाहते हैं। छू भी रहे हैं। कम आयु में उनकी सफलताएं विस्मित करने वाली हैं। उनके स्टार्टअप धूम मचा रहे हैं। सफलता की बड़ी कहानियां लिख रहे हैं। प्रेरित कर रहे हैं। इसके दूसरे पक्ष का विचार भी जरूरी है। हमें पता है कि 90 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप शुरुआती सालों में ही अन्यान्य कारणों से विफल हो जाते हैं। विफलता का डर, निवेशकों का दबाव, फंडिंग का संकट संस्थापकों और शुरुआती कर्मचारियों में मानसिक तनाव पैदा कर ही देता है। इतने बड़े देश में हर साल लाखों युवा हाथ काम मांगने के लिए खड़े हो जाते हैं। उनके पास डिग्रियां भी होती हैं। किंतु वे कौशल युक्त नहीं होते। वे डिग्रीधारी हैं किंतु किसी काम के नहीं हैं। बाजार की जरूरतें अलग हैं, उनके कौशल अलग हैं। ऐसे में बहुत योग्य लोगों को भी अपेक्षित नौकरी नहीं मिल पाती, अच्छे वेतन की तो जाने ही दीजिए। युवाओं के ज्यादातर संकट वास्तविक हैं। वे जानकारी से भरपूर हैं, उनके पास अवसरों का जनतंत्र है। आकांक्षाओं की बाढ़ है। वे सूचनाओं से लदे–फंदे हैं। यह ज्यादा सूचनाएं भी दुख और भ्रम का कारण बन रही हैं। आकांक्षाओं का बड़ा आकाश उतनी ही गहरी निराशा लेकर लाता है। यह साधारण नहीं है कि आईआईटी के विद्यार्थी आत्महत्या कर रहे हैं। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का अवसान उनके परिवार,देश और समाज के लिए भी बड़ी क्षति है। परीक्षाओं में मिलती असफलताएं, लीक होते प्रश्नपत्र, परीक्षाओं की नष्ट होती शुचिता, सरकारी– प्रशासनिक तंत्र की कदाचार रोकने की विफलताओं ने युवाओं को गहरी चिंताएं दी हैं। शिक्षा के निजीकरण और उससे उपजे बाजारीकरण ने हालात बहुत बदल दिए हैं। महंगी शिक्षा के लिए परिवार कर्ज में डूब रहे हैं। प्रतिभा पलायन का संकट तो है ही। समाज में यह बात बहुत गहरे पैठ रही है इस देश में प्रतिभाशाली युवाओं की जगह नहीं बची है। यह तथ्य नहीं किंतु गहराई से फैलती धारणा है। आप बिना जुगाड़ के इस व्यवस्था में सफल नहीं हो सकते। किसी राष्ट्र जीवन में ऐसी धारणाएं ठीक नहीं हैं। हमें समझना होगा कि राष्ट्र से हम सबकी सामूहिक आकांक्षाएं,साझे प्रयासों से ही फलीभूत होंगी। भारत की आजादी के आठ दशक अभूतपूर्व प्रगति, एकत्व और जीवंत लोकतंत्र के प्रमाण हैं। हर राष्ट्र जीवन में चुनौतियां होती हैं, उससे जूझकर हम अपने संकटों का हल खोजते हैं। देश की युवा पीढ़ी भी अपने संकटों के बीच इस राष्ट्र जीवन के समक्ष उपस्थित प्रश्नों के ठोस और वाजिब हल जरूर तलाशेगी। युवा शक्ति की तेजस्विता, नवाचारों और आत्मविश्वास को देखकर यह विश्वास सहज ही होता है।

भागवत किसी जादू की छड़ी से गायब होने वाले प्राणी नहीं

पंकज शर्मा

बावजूद इस के कि मैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कट्टर विचारधारा का घनघोर विरोधी हूं, मैं मानता हूं कि संघ–प्रमुख मोहन भागवत को, अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन क्या, दुनिया में कहीं भी जा कर, अपनी बात कहने का हक है। न्यू यॉर्क के मेयर ज़ोहरान क्वामे ममदानी के अधिकार क्षेत्र में अगर होता भी और वे आज होने वाले भागवत के वैश्विक एकात्मकता उत्सव का आयोजन रोक देते तो मैं तो इस का विरोध करता। हालांकि मैं जानता हूं कि जिस संघ–कुनबे का मुखिया अपने उद्देशियों को भारत के भीतर ही विभिन्न समुदायों की एकात्मकता को तहस–नहस करने से नहीं रोक पाता हो, वह दुनिया भर में बंधुत्व की भावना कघयम करने की पहलकच्दमी भला किस मुंह से कर सकता है, मगर फिर भी मैं अपना यह विचार बदलने को तैयार नहीं हूं कि भागवत को अपने विचार व्यक्त करने के लिए ब्रह्मांड के किसी भी छोर पर अपने सम्मेलन–संगोष्ठी करने का अधिकार है। संघ–प्रमुख ने कहां क्या कहा, इस पर बहस हो सकती है। अगर वे कोई ऐसी बात कहते हैं, जो किसी देश विशेष के कघनून–कघयदों का उल्लंघन करती है तो उन के खिलाफ कार्रवाई में भी किसी को गुरेज नहीं होना चाहिए। लेकिन मुंह खोलने से पहले ही उन की ज़ुबान पर ताला जड़ देने का पक्षधर कम–से–कम मैं तो नहीं हो सकता। इसलिए मैं कनाडा के दो सांसदों हीदर मैकफर्सन और जेनी क्वान की कनाडाई सरकार से की गई इस मांग को भी गलत मानता हूं कि भागवत को कनाडा में प्रवेश न दिया जाए और आरएसएस पर प्रतिबंध लगाएं। इस महीने की शुरुआत में लिखी अपनी चिट्ठी में दोनों ने कहा था कि भागवत का इतिहास नफरती भाषण देने और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का समर्थन करने का रहा है। इसलिए उन्हें कनाडा में प्रवेश के अयोग्य घोषित किया जाए। अगर भागवत का इतिहास ऐसा रहा है तो उन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी को करनी चाहिए थी। फिलहाल उन्होंने अमेरिका या कनाडा या ब्रिटेन की धरती पर तो ऐसा कोई अपराध किया नहीं है कि वहां के सांसद अपनी–अपनी सरकारों से आप्रवासन कघनूनों के तहत उन के देश–प्रवेश पर पाबंदी लगाने जैसी मांग करें। भागवत की मौजूदगी से चिंतित कनाडाई सांसद वहां की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य हैं। उन के बेतुके दुराग्रह से तो उल्टे संघ–प्रमुख के वैचारिक ध्रुवीकरण की पोशीदा तमन्ना को उपजाऊ ज़मीन मिल गई है। सौ से ज़्यादा इंडो–कैनेडियन संगठनों और हिंदू संस्थाओं ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को पत्र लिख कर भागवत की यात्रा का पुरजोर समर्थन कर डाला। मैकफर्सन और क्वान की मूर्खता ने संघ–विचार के बीजों को और तेज़ी से अंकुरित होने के लिए खाद–पानी ही मुहैया कराया। वरना भागवत जैसे गए थे, वैसे ही लौट कर घर को आ जाते। अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में दो सौ से ज़्यादा ऐसी संस्थाएं बहुत सक्रियता से काम कर रही हैं, जिन का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रत्यक्ष और परोक्ष अंतरूसंबंध है। हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में 230 के आसपास दैनिक शाखाएं संचालित कर रहा है। विश्व हिंदू परिषद के अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के कार्यकारी–खंड भी दर्जनों की तादाद में हैं। सेवा इंटरनेशनल, हिंदू एजुकेशनल फाउंडेशन और ओवरसीज़ फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी की भी तीनों देशों में हर ज़रूरी मुहल्ले तक पहुंच है। यह आज से नहीं है। 35–40 बरस पहले भी जब मैं अमेरिका गया था तो भारतीय जनता पार्टी के समुद्रपारीय मित्रों की संस्था ने तकरीबन हर छोटे–बड़े शहर में मुझे बुलाया और विचार साझा किए थे। ओवरसीज़ कांग्रेस का मुख्यालय तो तब न्यूजर्सी में भारतीय अचार–मुरब्बे–नमकीन की एक दुकान में था। परदेस में राहुल गांधी के हाड़तोड़ दौरों के बावजूद ओवरसीज़ कांग्रेस संघ–संस्थाओं के सामने आज भी अगण्य है। अगर यह दलील मान भी लें कि ऐसा इसलिए है कि भारत में बारह बरस से नरेंद्र भाई की हुकूमत है तो भी 2004 से 2014 के दस साल की अवधि में ही ओवरसीज़ कांग्रेस कौन–सी दिन दूनी रात चौगुनी फल–फूल रही थी? इसलिए जो लोग सोचते हैं कि परदेसी संसदों में बैठे अपने वैचारिक हमजोलियों के ज़रिए वे भागवत की आरएसएस के वैश्विक मंसूबों पर लगाम लगा लेंगे, वे अल्पमति की मीनार में कैद हैं। वे विदेशों में भागवत–पुराण के वाचन की जितनी ही मुख़ालिफत करेंगे, संघ की शाखाएं उतनी ही मजबूत होती जाएंगी। उस की हर शाख पर बैठे घुग्घुओं के बावजूद संघ की डालियां मांसल ही होती जाएंगी। अभी तो दूर–दूर तक पतझड़ के ऐसे किसी मौसम के आसार नहीं हैं, जिस में संघ–वृक्ष की देसी–विदेशी प्रजातियों के पत्ते सूख कर झर जाएं। इसलिए उन की जड़ों में डालने के लिए मट्ठे का मटका ले कर विचरने के बजाय सकारात्मक षक्तियों को खुद की जड़ें सींचने के लिए गंगाजल ले कर डगर–डगर डोलने पर ध्यान देना चाहिए। सौ से ज़्यादा देशों में आरएसएस किसी–न–किसी शक्ल में मौजूद है। 40 देशों में तो उस की बाकघयदा शाखाएं लगती हैं। तकरीबन एक दर्जन मुस्लिम–बहुल मुल्कघें में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सक्रिय है। खाड़ी के देशों में भी उस के सहयोगी संगठनों की खासी उपस्थिति है। इस्लामी मुल्कघें में चूंकि बाहर मैदान में शाखा लगाने की इजाजत नहीं है, सो, शाखाएं घरों के भीतर लगती हैं। सैकड़ों ई–शाखाएं भी संचालित हो रही हैं। आरएसएस के विश्व विभाग ने पिछले 12 बरस में विदेशों में अपने पैर बेतरह पसारे हैं। नरेंद्र भाई जब प्रधानमंत्री बने थे, तब 39 देशों में संघ की 570 शाखाएं संचालित हुआ करती थीं। आज 55 देशों में संघ की 3200 शाखाएं और केंद्र संचालित हो रहे हैं। 2014 के बाद से आरएसएस ने यूरोप के बहुत–से देशों में अपना काम काफी तेज़ कर दिया है। जर्मनी, डेनमार्क, स्पेन, नीदरलैंड और नॉर्वे में संघ–गतिविधियों की उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। हालांकि कोई तुलना है नहीं, मगर दिल को बहलाने के लिए अगर कोई तुलना करना ही चाहे तो इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस की इकाइयां महज 32 देशों में काम कर रही हैं और यह संख्या तकनीकी ज़्यादा और व्यावहारिक कम है। आज की डिजिटल दुनिया के परिदृश्य के मद्देनज़र अगर आप इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस की अधिकारिक वेबसाइट के सफर पर निकल जाएं तो उस की दयनीय दशा देख कर आप की आंखें भर आएंगी। चेयरमैन सत्यनारायण गंगाराम (सैम) पित्रोदा को इतने कुपोषित अनुष्ठान का पुरोहित होने पर कितना गर्व है, कितना नहीं, मुझे मालूम नहीं, मगर ज़्यादातर लोग तो यही मानते हैं कि सारा उपक्रम छू कर निकल जाने जैसा लगता है। अब यह तो इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस के सागर में राहुल गांधी की स्कूबा डाइविंग से ही कभी सामने आए–तो–आए कि उस के अंतरूजल में कितनी मैरीन लाइफ है और कितनी कोरल रीफ्स वह अपने में समेटे है। मुझे तो उस के जीवन और प्रवाल भित्तियों के घनत्व की बलैया लेने को उमड़ता समूह किसी भी देश में दिखाई देता नहीं है। वैचारिक प्रवाह की त्वरा में और सांगठनिक शक्ल में उस की तब्दीली में आकाश–धरती का अंतर होता है। रूमानी खयालात और जमीनी हकीकत के दो किनारों को आलिंगनबद्ध करने के लिए बगिली–गिली छू बोल देना काफी नहीं होता है। उस के लिए तो धोती चढ़ा कर मैदान में उतरना पड़ता है। इसलिए भागवत किसी जादू की छड़ी से गायब होने वाले प्राणी नहीं हैं।

सिर पर ठोस वस्तु से प्रहार कर महिला की हत्या, नामजद तहरीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में खुटहन थाना क्षेत्र के पनौली गांव में सोमवार को नवनिर्मित मकान में 48 वर्षीय विवाहिता गुड़िया पत्नी मुख्तार अहमद का शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला के माथे और सिर के पिछले हिस्से में चोट के निशान मिले हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए गांव के ही एक व्यक्ति के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। बताया गया कि मृतका का पैतृक मकान नवनिर्मित घर से करीब 500 मीटर दूर है। परिजनों के अनुसार, सोमवार को वह नए मकान का दरवाजा ठीक कराने के लिए बढ़ई को बुलाने की बात कहकर घर से निकली थीं। दोपहर करीब ढाई बजे उनकी दोनों बेटियां स्कूल से घर लौटीं तो कमरे में तख्त पर मां का शव पड़ा मिला। सिर में चोट के निशान थे। चीख–पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी मिलते ही शाहगंज सर्किल की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए। प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह, सरपतहां प्रभारी निरीक्षक रामाश्रय राय और खेतासराय प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह सहित पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। परिजनों ने महिला के आभूषण गायब होने की बात कहते हुए हत्या के बाद सोने की चेन, कान की बालियां और पायल ले जाने का आरोप लगाया। हालांकि थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि आभूषण के लिए हत्या किए जाने की बात अफवाह है। मृतका के देवर सत्तार अहमद की तहरीर पर गांव के ही एक व्यक्ति के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। मृतका के दो पुत्र गुजरात में रहते हैं, जबकि पति विदेश में हैं। परिजन दोनों बेटों के आने के बाद ही शव पुलिस को सौंपने की मांग पर अड़े रहे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मारपीट में घायल व्यक्ति की मौत, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े परिजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में नेवढ़िया थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव में एक अगस्त को हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल रमेश गौतम (नाम परिजनों के अनुसार) की सोमवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। मौत की सूचना के बाद परिजन शव लेकर नेवढ़िया थाने पहुंच गए और मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाने के साथ आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। परिजनों का कहना था कि मारपीट के मामले में पहले से मुकदमा दर्ज है, लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई। पुलिस ने परिजनों से कहा कि पहले शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। रिपोर्ट मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। इससे नाराज परिजन और ग्रामीण शव लेकर एसपी कार्यालय जाने के लिए रवाना हो गए। परिजनों के मुताबिक, बनेवरा गांव के पास नेवढ़िया पुलिस ने वाहन को आगे खड़ा कर उन्हें रोक दिया। आरोप है कि कई घंटे तक उन्हें आगे नहीं जाने दिया गया। शव को सड़क पर रोके जाने के कारण यातायात प्रभावित हुआ और दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर मड़ियाहूं के क्षेत्राधिकारी विजय चौधरी समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चली बातचीत के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी विजय चौधरी ने बताया कि मारपीट के मामले में पहले से मुकदमा दर्ज था। परिजनों की शिकायत के आधार पर धाराओं में बढ़ोतरी की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

सपा विधायक रागिनी सोनकर का भाजपा पर हमला, बोलीं– विपक्ष को एकजुट होकर लड़ना चाहिए

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।जौनपुर, मछलीशहर से समाजवादी पार्टी की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने बसपा सुप्रीमो मायावती के अकेले चुनाव लड़ने के फैसले को उनका आंतरिक निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि मायावती पार्टी की शीर्ष नेता हैं और अपने फैसले लेने में सक्षम हैं। चुनाव के दौरान उनके निर्णय का असर सामने आएगा। चंद्रशेखर आजाद पर तंज कसते हुए विधायक ने

कहा कि यदि कोई वास्तव में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ लड़ रहा है तो उसके वक्तव्यों से जनता समझ सकती है कि वह किसके समर्थन में है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ मजबूती से लड़ना चाहिए। आरोप लगाया कि भाजपा पिछड़ों और दलितों के आरक्षण को कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आने पर कई नए बयान सुनने को मिलेंगे, लेकिन उनका जनता के वास्तविक मुद्दों से कोई संबंध नहीं होगा। राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जांच की बात कही थी, जनता जानना चाहती है कि वह जांच कहां तक पहुंची और दोषी कौन हैं। अंकित बालियान प्रकरण पर उन्होंने कहा कि उनके परिवार को न्याय मिलना चाहिए। भाजपा पर दोहरे चरित्र का आरोप लगाते हुए कहा कि दलित समाज के लोगों के साथ हो रही घटनाओं पर सरकार गंभीर नहीं है। दिल्ली में महिला पत्रकार के साथ कथित बदसलूकी पर विधायक ने कहा कि यह भाजपा के दोहरे चरित्र को दर्शाता है। उन्होंने पत्रकारों को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए मामले में कार्रवाई और एफआईआर की मांग की। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि जौनपुर में विकास की स्थिति खराब है। बारिश में सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और स्कूलों की स्थिति भी चिंताजनक है। उन्होंने दावा किया कि मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र के एक जर्जर विद्यालय की मरम्मत के लिए डीएम और बीएसए को पत्र दिया गया, लेकिन अब तक न फंड मिला और न मरम्मत हुई। उन्होंने बेरोजगारी, उद्योगों की बदहाली और महिला सुरक्षा को भी प्रमुख चुनावी मुद्दा बताया।

पॉक्सो एक्ट से जुड़े किशोरों को मिला मनोवैज्ञानिक सहयोग, विशेषज्ञों ने दिए तनाव से निपटने के उपाय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के तत्वावधान में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में मंगलवार को राजकीय संप्रेक्षण गृहबाल गृह, गाजीपुर में पॉक्सो एक्ट से संबंधित किशोरों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरों को भावनात्मक सहयोग प्रदान करने के साथ उनमें सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और आत्मनियंत्रण की भावना विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में राजकीय महिला पीजी कॉलेज, गाजीपुर के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार, मनोवैज्ञानिक काउंसलर सुषमा मौर्या और शोधार्थी श्वेता गुप्ता ने किशोरों से संवाद किया। विशेषज्ञों ने व्यक्तिगत एवं सामूहिक परामर्श के माध्यम से तनाव, भय, अपराधबोध और नकारात्मक भावनाओं से सकारात्मक तरीके से निपटने के उपाय बताए। साथ ही किशोरों को अपनी भावनाओं को समझने और कठिन परिस्थितियों में संयम बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

डॉ. शिव कुमार ने कहा कि किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस दौरान समय पर मिलने वाला मनोवैज्ञानिक सहयोग किशोरों के व्यक्तित्व विकास और भविष्य को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय सोनी और संस्था अधीक्षक राम अचल मौर्य का सहयोग रहा। कार्यक्रम समन्वयक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत इस तरह के कार्यक्रम आगे भी आयोजित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि संवेदनशील परिस्थितियों से गुजर रहे किशोरों को सहयोगात्मक एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना उनके सकारात्मक पुनर्वास और बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक है।

श्री गणपति पूजा महासमिति जौनपुर ट्रस्ट का 23वां पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्री गणपति पूजा महासमिति जौनपुर ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित 23वां वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ महासमिति के मुख्य संरक्षक लोलारक दुबे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में गत वर्ष श्री गणेश उत्सव के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पूजन समितियों, धार्मिक अनुष्ठानों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संगठनों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवा देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ज्ञानप्रकाश सिंह व उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और गणपति वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों और श्री गणेश भजनो ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि ज्ञानप्रकाश सिंह ने कहा इस तरह के आयोजन से समाज में समरसता और एकता का संदेश जाता है और लोगों में आगे बढ़ने तथा कुछ और अच्छा करने के प्रेरित होते है। श्री सिंह ने प्रतिमा विसर्जन को और सरल व सुगम बनाने हेतु प्रशासन द्वारा अनुमति मिलने के बाद विसर्जन कुंड को अत्याधुनिक तरीके से सुसज्जित करने का संकल्प दोहराया साथ ही साथ विभिन्न क्षेत्रों में पुरस्कृत की गई पूजन समिति को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस क्रम में मुख्य वक्ता ओमप्रकाश बाबा दुबे पूर्व विधायक बदलापुर ने महासमिति के कार्यों की सराहना करते हुए समस्त पूजन समितियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। अति विशिष्ट अतिथि मनोरमा मौर्य अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर ने महासमिति और पूजन समितियों को इस बार गणेशोत्सव में पूर्व से बेहतर व्यवस्था प्रदान करने की बात कही। विशिष्ट अतिथिगण के रूप में डॉ० सरफराज खान प्रतिनिधि अध्यक्ष नगर पंचायत जफराबाद, डॉ० ऋषभ यादव व डॉ० विवेक श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से कहा कि समस्त पूजन समितियां बधाई की पात्र है, महासमिति द्वारा किए गए ऐसे आयोजन गंगा जमुनी तहजीब को बल मिलता है। पुरस्कृत की गई समितियों में शोभा यात्रा में श्री गणेश मित्र मंडल रसूलाबाद, श्री शिवशक्ति बाल गणेश पूजा समिति ईशापुर, श्री गणपति पूजनोत्सव सेवा समिति मियांपुर क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं इसी क्रम में पूजन पंडाल शहरी में श्री शीतला कार्यसमिति ट्रस्ट चौकिया धाम, श्री नवयुवक गणेश उत्सव रसूलाबाद व नव बाल तरंग गणपति पूजा समिति ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर बाजी मारी। पूजन पंडाल ग्रामीण में श्री सार्वजनिक गणेश उत्सव पूजा समिति बारी रोड गौराबादशाहपुर , श्री नवीन बाल संस्था बंजारेपुर, श्री जय बुढ़ऊ बाबा गणपति संस्था ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर अपना कब्जा जमाया। दैनिक मार्ग सजावट में श्री जय मां शीतला गणपति पूजा मित्र मंडल चौकिया, श्री हनुमंतेश्वर शिवालय गणेश पूजनोत्सव रासमंडल व श्री युवा गणेश समिति धोबियाना गली रसूलाबाद का क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर दबदबा दिखा। आकर्षक झांकी में श्री गणपति पूजा बाल संस्था शिवचौरा मंदिर सिपाह, श्री संकट मोचन गणपति पूजा समिति रुहट्टा, श्री सार्वजनिक गणेश पूजा बाल समिति बेगमगंज चुंगी ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान के लिए पुरस्कृत की गई। इसी क्रम में अनुशासन के लिए श्री जय मां शीतला बालिका समिति चौकिया धाम, उत्कृष्ट प्रदर्शन में बाबा श्री जागेश्वरनाथ संस्था आलमगंज तथा प्रथम क्रमांक का टोकन प्राप्त करने के लिए श्री युवा बाल्मीकि संस्था मखदूम शाह अढ़न को विशेष सम्मान से पुरस्कृत किया गया। साथ ही साथ अन्य समस्त पूजन समितियों को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने के पश्चात पूजन समितियों ने गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से पूरे पंडाल को भक्तिमय बना दिया। इसी क्रम में धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपना योगदान देने वाली समाजसेवी संगठनों के साथ साथ मीडिया बंधुओं व ब्लॉगर को भी उनके उत्कृष्ट सहयोग के लिए अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल के सदस्य गण के रूप में हरिद्वार प्रसाद विश्वकर्मा एडवोकेट, सोम कुमार वर्मा, उर्वशी सिंह, अंजली जड़वानी, नीरज शाह, तुलिका श्रीवास्तव व संजय प्रजापति को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य ट्रस्टी संजीव कुमार यादव एडवोकेट ने किया। स्वागत भाषण संयोजक नवीन सिंह बसगोती व अध्यक्ष दीपक जावा, कोआर्डिनेटर संजय जड़वानी व पवन दुबे ने संयुक्त रूप से आगंतुक के प्रति आभार जताया।

2027में कमजोर सीटों पर बदलें जायेगे कैंडिडेट : क्षेत्रीय मंत्री अजीत सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भाजपा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री अजीत सिंह के मंगलवार को जौनपुर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। नगर के एक होटल में पत्रकारों से बात करते हुए अजीत सिंह ने कहा कि वह पहले भी संगठन और भाजपा से जुड़े रहे हैं। संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसे वह पूरी निष्ठा से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय संगठन में मिली जिम्मेदारी के तहत वह निचले स्तर से लेकर ऊपर तक संगठन को मजबूत करेंगे। उनका उद्देश्य कार्यकर्ताओं से जुड़ना, उनकी अपेक्षाओं और भावनाओं को समझना है। साथ ही, सरकार की सभी योजनाएं जनता तक पहुंचें, यही उनका लक्ष्य है। सभी काम सही ढंग से हों, यह उनकी पहली प्राथमिकता है। अजीत सिंह ने बताया कि 2027 के चुनाव को लेकर पार्टी ने कई दिशा–निर्देश दिए हैं। सभी पदाधिकारी अपने–अपने स्तर पर काम कर रहे हैं। जिस विधानसभा में स्थिति सही नहीं है, वहां सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता से फीडबैक ले रही है और जहां स्थिति सही नहीं होगी, वहां उम्मीदवार बदले जाएंगे और दूसरों को मौका दिया जाएगा। जो बूथ कार्यकर्ता काम नहीं कर रहे हैं, उनकी सूची बनेगी और उसे ऊपर भेजा जाएगा, जिसके बाद उन्हें हटाया जाएगा। उन्होंने पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाजी से इनकार किया और कहा कि सभी मिलकर काम कर रहे हैं। संगठन में जो पद मिले हैं, उनमें सभी जातियों को समाहित किया गया है। राम पथ पर गड्ढों को लेकर विपक्ष के भ्रष्टाचार के आरोपों पर उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम ही भ्रष्टाचार का आरोप लगाना है। प्राकृतिक कारणों से अगर सड़क बैठ जाती है या गड्ढे हो जाते हैं, तो जनता भी बोलेगी और विपक्ष भी बोलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार में कोई भ्रष्टाचार नहीं है।

जौनपुर थाने में जन्माष्टमी पर फूहड़ गाने पर पुलिसकर्मी नाचे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पवारा थाने में कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों के फूहड़ गाने पर नाचने का मामला सामने आया है। बीते 4 सितंबर को हुए इस आयोजन में भक्ति गीतों की जगह लोकगीत बजे, जिस पर पुलिसकर्मी झूमते दिखे। हेड मुहर्रिर राजेश यादव ने श्आवा ओढ़ा दे अचरवा बलम जी...श गाना गाया। इस दौरान एसआई जयप्रकाश यादव डांस करते नजर आए। थानाध्यक्ष विनोद कुमार की देखरेख में हुए इस कार्यक्रम में कई संभ्रांत लोग और पुलिसकर्मी मौजूद थे। थाना परिसर में हुए इस कार्यक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग इस पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि धार्मिक पर्व पर थाने में कार्यक्रम होना सामान्य है, लेकिन ऐसे मौके पर गानों के चयन और पुलिसकर्मियों के आचरण में मर्यादा की उम्मीद की जाती है। वर्दी में इस तरह के गाने पर डांस करने से पुलिस की कार्यप्रणाली और गरिमा पर सवाल उठ रहे हैं। मछलीशहर के सीओ परमानंद कुशवाहा ने बताया कि वीडियो अभी उनके संज्ञान में नहीं आया है। उन्होंने कहा कि वीडियो सामने आने के बाद मामले की जांच कर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई में क्वींस ड्राइव क्लब की शानदार एंट्री, कैंसर जागरूकता के लिए 70 से अधिक महिलाओं ने सुपरकार ड्राइव में लिया हिस्सा

देश की उपासना समाचार पत्र
ब्यूरो चीफ धनन्जय विश्वकर्मा

मुंबई,। भारत के पहले ऑल–वुमेन सुपरकार कम्युनिटी क्वींस ड्राइव क्लब रविवार को मुंबई में अपने सफर की शुरुआत की। कैंसर जागरूकता को समर्पित इस विशेष सुपरकार ड्राइव को मुख्य अतिथि अमृता फडणवीस ने जुहू स्थित बैस्टियन बीच क्लब से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ड्राइव के बाद ब्रंच और कैंसर सर्वाइवर्स के साथ विशेष पैनल चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें कैंसर को लेकर जागरूकता, शुरुआती पहचान और बीमारी से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बातचीत की गई। इस अवसर पर बिजनेस, उद्यमिता, खेल और कला सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी 70 से अधिक महिलाओं ने सुपरकार ड्राइव में हिस्सा लिया। यह क्वींस ड्राइव क्लब का मुंबई में पहला और देशभर में छठा संस्करण था। क्लब की स्थापना रितिका जतिन आहूजा ने की है और वर्तमान में इसके 100 से अधिक सदस्य हैं। मुंबई संस्करण को कैंसर जागरूकता के उद्देश्य से PATH Foundation के साथ साझेदारी और PATH Foundation के सहयोग से आयोजित किया गया। इस पहल के तहत जरूरतमंद कैंसर मरीजों के उपचार, कीमोथेरेपी, पेलिएटिव केयर और भोजन सहायता के लिए योगदान दिया गया। कैंसर मरीजों के लिए अपनी प्रतिबद्धता को और आगे बढ़ाते हुए फनममदे क्सपअम ब्सनइ ने PATH Foundation के साथ मिलकर एक लाख कीमोथेरेपी उपचार प्रायोजित करने की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य केवल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद मरीजों को उपचार के लिए ठोस सहायता उपलब्ध कराना भी है। मुख्य अतिथि अमृता फडणवीस ने कहा कि महिलाओं का अपनी साझा रुचि को एक बड़े सामाजिक उद्देश्य से जोड़ना प्रेरणादायक है। उन्होंने कैंसर के प्रति जागरूकता, समय पर जांच और उपचार को लेकर समाज में अधिक खुली बातचीत की आवश्यकता पर जोर दिया। क्वींस ड्राइव क्लब की संस्थापक रितिका जतिन आहूजा ने कहा कि क्लब की शुरुआत महिलाओं को ऑटोमोबाइल के प्रति साझा जुनून के माध्यम से जोड़ने के उद्देश्य से हुई थी, लेकिन समय के साथ यह समुदाय सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ता गया। मुंबई ड्राइव के माध्यम से महिलाओं को एक मंच पर लाने के साथ कैंसर से प्रभावित लोगों के लिए सार्थक योगदान देने का प्रयास किया गया। संस्थापक साक्षी अग्रवाल ने कहा कि कैंसर मरीजों और उनके परिवारों को आर्थिक, शारीरिक और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने लोगों से कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। कार्यक्रम के बाद आयोजित पैनल चर्चा में कैंसर सर्वाइवर्स छवि मित्तल और तन्निष्ठा चटर्जी ने अपने अनुभव साझा किए। चर्चा का संचालन PATH Foundation की संस्थापक साक्षी अग्रवाल ने किया। बातचीत में कैंसर की समय पर पहचान, उपचार और बीमारी से जुड़े सामाजिक संकोच को कम करने की जरूरत पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में सीमा सिंह, मेहरीन गांधी सहित कई जानी–मानी हस्तियां भी मौजूद रहीं। मुंबई संस्करण की मेजबानी बैस्टियन बीच क्लब ने की गई। कार्यक्रम को PATH Foundationके संस्थापक रंजीत बिंद्रा का भी सहयोग मिला। वींस ड्राइव क्लब का मुंबई डेब्यू केवल लग्जरी और सुपरकार संस्कृति का प्रदर्शन नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की सामूहिक शक्ति को सामाजिक जागरूकता और कैंसर मरीजों की सहायता से जोड़ने की एक अनूठी पहल के रूप में सामने आया।

बीडीओं ने गौशाला का किया औचक निरीक्षण, दिया आवश्यक निर्देश

जौनपुर। जनपद के सिरकोनी विकास खण्ड के ग्राम पंचायत अमदहा गांव में स्थित गौशाला का बीडीओ सिरकोनी ने मंगलवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीडीओ विकास सिंह ने गौशाला में रहने वाले पशुओं को बारे में जानकारी ली। उन्होंने गौशाला के पशुओं को दिये जाने वाले भूसा, पशुआहार, नेपियर घास का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पशुओं को खिलाने वाला सभी सामग्री पर्याप्त मात्रा में पायी गई। उन्होंने पशुओं को शुद्ध पेय जल की व्यवस्था ठीक रखने के लिए निर्देशित किया साथ ही पशुओं के रहने वाले जगह पर कोई जल जमाव न हो, की

समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने गौशाला में निर्माणाधीन अतिरिक्त पशु शेड का कार्य अति शीघ्र पूरा कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान पशु डॉ धर्मेंद्र सिंह, ग्राम प्रधान दुर्गा प्रसाद यादव, सचिव सरिता मौर्या, संतोष यादव, विनोद यादव, धर्मेंद्र यादव आदि उपस्थित रहे।

‘राष्ट्रीय लोक अदालत में स्वास्थ्य विभाग लगाएगा विशेष स्वास्थ्य शिविर, रेड क्रॉस निभाएगी सहयोगी भूमिका’

‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

‘शाहजहांपुर’ उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशानुसार के अनुपालन में जनपद में माननीय अपर जिला जज ध्नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत की अध्यक्षता में एवं सचिव जिला राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, शाहजहांपुर के दिशा निर्देशन में 12 सितंबर 2026 को प्रातः09 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष स्वास्थ्य शिविर कचहरी प्रांगण में लगाया जाएगा। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोगी भूमिका निभाते हुए मानव सेवा के अपने दायित्व का निर्वहन करेगी। शिविर में पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड बनाए एवं वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही दिव्यांग प्रमाणपत्र बनाने एवं वितरण, नियमित टीकाकरण तथा स्वास्थ्य विभाग से संबंधित बीमा योजनाओं की जानकारी और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। लाभार्थियों से प्रातः09 बजे शिविर में पहुंचकर योजनाओं एवं सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की गई है। शिविर की तैयारियों को लेकर आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के कार्यालय में बैठक आयोजित हुई। बैठक में शिविर के नोडल अधिकारी उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ दिनेश सिंह ने तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम शिविर में उपस्थित रहकर पात्र लोगों को स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेगी। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ विजय जौहरी ने कहा कि रेडक्रॉस का मूल उद्देश्य मानव सेवा है। राष्ट्रीय लोक अदालत जैसे जनहितकारी आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं एवं सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सोसाइटी की सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। रेडक्रॉस की टीम शिविर को सफल बनाने में हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। बैठक में रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य अवनीश सक्सेना सहित ओम दिव्यांग जन कल्याण समिति के प्रतिनिधि बाल किशन पाण्डेय, बृजेश गुप्ता, रामस्वरूप गुप्ता, रामकुमार एवं बिमला देवी तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।

खाद्य एवं रसद विभाग से संबंधित हुआ जनता दिवस का आयोजन

‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

‘हरदोई’ ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी सण्डीला के आदेशानुपालन में मंगलवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तहसील सण्डीला कार्यालय में खाद्य एवं रसद विभाग से सम्बन्धित जनता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी जीतेन्द्र पाठक, पूर्ति निरीक्षक नरेन्द्र कुमार चौबे (विकास खण्ड सण्डीला, बेहन्दर एवं कोथावां), पूर्ति निरीक्षक प्रमोद पांचाल (विकास खण्ड भरावन) तथा पूर्ति निरीक्षक राकेश मल्ल (विकास खण्ड कछौना) द्वारा विकास खण्डों एवं नगरीय क्षेत्रों के राशनकार्डों से सम्बन्धित आवेदन पत्र प्राप्त कर उनका निस्तारण किया गया। जनता दिवस के दौरान कुल 141 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदन पत्रों में से 53 आवेदन पत्रों का नियमानुसार कार्यवाही करते हुए मौके पर ही तत्काल निस्तारण कर दिया गया। शेष 88 आवेदन पत्रों पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, जिनका निस्तारण यथाशीघ्र किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि ज्वाइंट मजिस्ट्रेटध्उप जिलाधिकारी सण्डीला के आदेशानुपालन में खाद्य एवं रसद विभाग से सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक मंगलवार प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तहसील सण्डीला कार्यालय में जनता दिवस का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य आमजन की राशनकार्ड एवं खाद्य एवं रसद विभाग से सम्बन्धित समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

शाम ढलते ही शहर के कई इलाकों मे सक्रिय हो जाते है अराजक तत्व

अयोध्या।इस समय केंद्र और प्रदेश सरकार महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा को लेकर मिशन शक्ति अभियान सहित कई अभियान चला रही है।महिला हेल्प डेस्क,एंटी रोमियो टीम, डायल–112 और पुलिस की अन्य व्यवस्थाओं के जरिए सुरक्षित वातावरण देने का दावा भी किया जाता है।इसके बावजूद अयोध्या शहर के कई चौक, कोचिंग, कालेज,हास्टल के अलावा प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर शाम ढलते ही अराजक तत्व सक्रियता हो जाते है।जिसके चलते शहर पुलिस की कार्यशैली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।देखा जाये तो शहर के गुलाबबाड़ी मैदान, रीडगंज तिराहा, रीडगंज ओवरब्रिज, जेल के पीछे, पुष्पराज चौराहा,सिविल लाइन चौराहा,रिकाबगंज चौराहा, राठहवेली,लालबाग रेलवे क्रॉसिंग,मोदहा चौराहा, देवकाली बाईपास, देवकाली तिराहा, बेनीगंज,सहित कई स्थानों पर शाम के समय असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बना रहता है।देखा जाए शहर के गुलाबबाड़ी,रीडगंज तिराहा,रीडगंज ओवरब्रिज,गुलाब बाड़ी मैदान,नाका सहित कई प्रमुख ऐसे स्थान है जहां पर दिनदहाड़े और देर रात चेन स्नेचिंग,छिनैती सहित अन्य प्रमुख आपराधिक घटनाएं घट रही हैं।यह तो एक उदाहरण है।स्थानीय लोगों के मुताबिक,कुछ स्थानों पर शाम होते ही जुआ, सट्टा और नशे जैसी गतिविधियों में लोगों के जुटने की स्थिति दिखाई देती है।इन रास्तों से गुजरने वाली महिलाओं और छात्राओं को कई बार फब्तियों और छेड़खानी जैसी घटनाओं का सामना करना पड़ने की शिकायतें भी रहती हैं।बाहर से आने वाले राहगीरों के साथ छीना–झपटी और लूट जैसी घटनाओं की आशंका भी लोगों को परेशान करती है। इस संबंध में सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी का कहना है कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह गंभीर है।मिशन शक्ति सहित विभिन्न अभियानों के माध्यम से लगातार सुरक्षा एवं जागरूकता के प्रयास किए जा रहे हैं। किसी भी महिला की शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।बताया कि महिलाओं को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

निषाद छात्रावास पर कथित कब्जे को लेकर निषाद समाज में आक्रोश, सदर विधायक को सौंपा ज्ञापन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।निषाद छात्रावास पर कथित अवैध कब्जे को लेकर निषाद समाज ने मोर्चा खोल दिया है।निषाद समाज के अध्यक्ष संतोष निषाद ने नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता को प्रार्थना पत्र सौंपकर छात्रावास को कथित भू–माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराने की मांग की है।संतोष निषाद ने कहा को निषाद समाज और महर्षि वेद व्यास सेवा संस्थान समिति द्वारा संचालित निषाद छात्रावास और एकलव्य छात्रावास सरकारी धन से बनाए गए हैं। लेकिन इन छात्रावासों पर कथित तौर पर अवैध कब्जा कर लिया गया है।निषाद समाज के अध्यक्ष ने कहा कि पहले हर वर्ष छात्रावास परिसर में निषाद समाज के कार्यक्रम आयोजित होते थे।जिसमें जिले के बड़े नेता भी शामिल होते थे।उन्होंने दावा किया कि सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और तत्कालीन मेयर ऋषिकेश उपाध्याय समेत कई जनप्रतिनिधि छात्रावास के कार्यक्रमों में शामिल होते रहे हैं।संतोष निषाद का कहना है कि छात्रावास के निर्माण को लेकर शिलान्यास और उद्घाटन की तस्वीरें कई समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई थीं।जिनसे निर्माण और सरकारी सहयोग के प्रमाण मिलते हैं।उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा सरकार में ही निषाद समाज के छात्रावास पर कथित कब्जा हो जाना पूरे प्रदेश के निषाद समाज के लिए चिंता और दुख का विषय है।वहीं,नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने निषाद समाज के अध्यक्ष की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र पर मामले को गंभीरता से देखने और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने राष्ट्रपति को संबोधित सौंपा सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के टीम ने पत्रकारों के खिलाफ उत्पीड़न और फर्जी मुकदमे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया मंगलवार को राष्ट्रपति संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के न रहने पर सिटी मजिस्ट्रेट को शौप दिया और मांग की पत्रकारों के खिलाफ फर्जी मुकदमा और उत्पीड़न बंद हो।वही मांग की दिल्ली की स्वतंत्र महिला पत्रकार साहीन खान एवम नफीसा खान को कवरेज के दौरान थाना प्रभारी एवं महिला दरोगा द्वारा घसीट कर मारा गया जिसका वीडियो वायरल हुआ है पुलिस वाले के खिलाफ मुकध्दमा लिखा जाय।वही दूसरे अयोध्या के वरिष्ठ पत्रकार के के मिश्रा एवं इंडिया न्यूज दर्पण के पत्रकारों पर महज इस लिए मुकध्दमा लिख दिया कि उन्होंने अपनी खबर में किसी की पुष्टि न करते हुए एक खबर वायरल वीडियो की लिख दी और उन पर मुकध्दमा लाद दिया जो पूर्ण रूप से फर्जी मुकदमा है समाप्त किया जाय।राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिला अध्यक्ष आर पी तिवारी ने बताया कि यदि वायरल वीडियो की खबर के लिए मुकदमा लिखा जा रहा है तो ये अन्यायपूर्ण है जिसके लिए जरूरत हुई तो पत्रकार साथियों के धरना बलिदान एवं न्यायलय जाने को तैयार है लेकिन उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं है।वही महिला जिलाध्यक्ष संगीता श्रीवास्तव ने बताया कि यदि यही रवैया रहा है तो खबर कौन लिखेगा कौन दिखाएगा सच्चाई सच्चाई लिखने पर की काशीराम कालोनी में खुलेआम गांजा और स्मैक बिकता है उनके परिवार पर हमला हुआ फिर भी वे निर्भीक होकर सच्चाई दिखाती रही।वही पत्रकार बंटी सिंह ने बताया जो गलत है उनके खिलाफ मुकदमा लिखा जाय वो तो सही है लेकिन यदि पत्रकार उन मामले को कवर कर रहा है तो उसपर भी मुकदका लिखा जाय ये अन्याय है जो सहन नहीं किया जाएगा।वही पत्रकार दिलीप तिवारी ने बताया कि विधायक को मामले में देखकर मुकध्दमा लिखाना चाहिए यदि ऐसे ही फर्जी मुकध्दमा लिखा जाएगा फिर हम लोगों को मजबूरी में धरने पर उतरना पड़ेगा जो प्रशासन देखेगा हर पत्रकार उसी गले मोहल्ले की सड़को और भ्रष्टचार को कवर करके जनता के सामने लाएगा जो अभी तक लोगो ने नहीं देखा होगावही मामले में पत्रकार रुद्र उमेश यादव ने बताया कि हम पत्रकार है हम सच दिखाते है इसका मतलब ये नहीं जो आए घंटा समझ कर बजाता जाएगा फिर घंटा बजेगा तो पूरा जिला पूरा प्रदेश देखेगा अन्याय कत्तई बर्दाश्त नहीं किया जाएगावही पत्रकार नीलेश विश्वकर्मा ने बताया कि ये सरासर गलत है चाहे दिल्ली की महिला पत्रकारों की घटना हो चाहे अयोध्या के पत्रकारों के खिलाफ लिखा फर्जी मुकध्दमा गलत बर्दास्त नहीं होगा मुकदमा खत्म नहीं हुआ तो हम लोग आगे की कार्यवाही करेंगे।पूर्व महामंत्री गिरीश त्रिपाठी ने हर सम्भव विधिक सहायता देने का भरोसा दिलाया तो पत्रकार साथी ओम प्रकाश वर्मा,सूर्य प्रकाश मिश्रा रमेश शर्मा , उमेश यादव ,संजय यादव,दया शंकर मौर्य ,जसीम खान ,राजू यादव, जितेंद्र कुमार,अमित कुमार श्रीवास्तव,लव कुमार पाण्डेय , विपिन पाण्डेय, ,नेहा हाशमी ,सतेंद्र शुक्ला ,अधिवता विजय कुमार , आशीष शुक्ला,रवि मौर्य ,अधिवक्ता आदर्श कुमार ,विजय तिवारी,सहित सैकड़ों पत्रकार साथियों ने पत्रकारों के खिलाफ हुए उत्पीड़न एवं फर्जी लिखे मुकदमे के खिलाफ लामबंद हुए है और जल्द ही लिखा फर्जी मुकदमा समाप्त करने की मांग की वही मुकदमा समाप्त न होने पर अग्रिम योजना एवं विधिक कार्यवाही करने की बात कही है।

सेवानिवृत्त हुए वाणिज्य कर अधिकारी बृजेश मौर्या का सम्मान

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।वाणिज्य कर विभाग में लगभग 37 वर्षों की उल्लेखनीय सेवा पूर्ण करने के बाद सेवानिवृत्त हुए अधिकारी बृजेश मौर्या का शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी ने अपने आवास पर स्वागत एवं सम्मान किया।इस अवसर पर सत्यभान सिंह जनवादी ने बृजेश मौर्या को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके दीर्घ सेवाकाल के

लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में लंबे समय तक ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना अपने आप में गौरव की बात है। सेवानिवृत्ति नौकरी का अंत नहीं, बल्कि जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है।उन्होंने कहा कि बृजेश मौर्या ने वाणिज्य कर विभाग में अपने सेवाकाल के दौरान पूरी निष्ठा के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उनकी सेवाओं और अनुभव का लाभ समाज को आगे भी मिलता रहेगा।बृजेश मौर्या ने सम्मान के लिए शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट और चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतने लंबे सेवाकाल के बाद मिले इस आत्मीय सम्मान से वे अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा के दौरान मिले अनुभव और लोगों का स्नेह उनके जीवन की महत्वपूर्ण पूंजी हैं।समारोह में उपस्थित सचिव साधना सिंह,संदीप सिंह, महावीर पाल, प्रशांत गुप्ता हरिमूर्त सिंह ने बृजेश मौर्या को सेवानिवृत्ति की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी एवं सक्रिय जीवन की कामना की।

संस्कार भारती का 37वां बाल गोकुलम श्री राधाकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता भव्य रूप से संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्त

जौनपुर,। कला एवं साहित्य को समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती जौनपुर के तत्वावधान में नगर स्थित सिद्धार्थ उपवन में 37वां बाल गोकुलम श्री राधाकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में नन्हे–मुन्ने बच्चों ने लल्ला, श्री राधा और श्रीकृष्ण का मनमोहक स्वरूप धारण कर भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और संस्कारों की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम अध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह, मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, विशिष्ट अतिथि विनीत सेठ, उद्योगपति मनोज अग्रहरि, संस्था के संरक्षक रविंद्र नाथ, अध्यक्ष डॉ. ज्योति दास, काशी प्रांत महामंत्री सुजीत श्रीवास्तव और महामंत्री अमित गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मां सरस्वती, भगवान नटराज और श्री राधा–कृष्ण की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर पूजन किया गया। इसके बाद संस्था के सदस्यों ने ध्येय गीत प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में पहले लल्ला वर्ग और इसके बाद श्री राधा एवं श्रीकृष्ण वर्ग के बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। आकर्षक वेशभूषा और मनमोहक स्वरूपों ने उपस्थित लोगों का ध्यान खींचा। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने संस्कार भारती की स्थापना और उसके गौरवपूर्ण इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था जिन उद्देश्यों के साथ स्थापित हुई थी, उन्हें पूरा करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बच्चों को भारतीय संस्कृति, कला और संस्कारों से जोड़ने के प्रयास की सराहना की। विनीत सेठ ने कहा कि वर्तमान परिवेश में नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने के लिए ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं। मनोज अग्रहरि ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह ने भी आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्था के संरक्षक एवं प्रथम अध्यक्ष डॉ. अरुण मिश्रा ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए आयोजन की 37 वर्षों की यात्रा पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रतियोगिता के परिणाम लल्ला वर्ग में शिवाली श्रीवास्तव प्रथम, वंशिका आर्या द्वितीय और कृश तृतीय रहे। श्री राधा वर्ग में शिवांगी अग्रहरि प्रथम, दिव्यांशी सिंह द्वितीय और अनायसा जायसवाल तृतीय रहीं। श्रीकृष्ण वर्ग में देव अग्रहरि प्रथम, मनन सेठ द्वितीय और कविश उपाध्याय तृतीय रहे। प्रतियोगिता के बाद लल्ला, श्री राधा और श्रीकृष्ण के सभी स्वरूपों की सामूहिक आरती की गई। मुख्य अतिथि मनोरमा मौर्या ने विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया। निर्णायक मंडल की सदस्य सुषमा गुप्ता, अर्चना सिंह और कलाविद नवीन विश्वकर्मा को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला उपाध्यक्ष ऋषि श्रीवास्तव ने किया। महामंत्री अमित गुप्ता ने अतिथियों, अभिभावकों और सदस्यों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम संयोजक अभिताश गुप्ता और दीपक श्रीवास्तव ने आयोजन की सफलता में सहयोग करने वालों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारी, सदस्य, अभिभावक और बड़ी संख्या में गणमान्यजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक ‘वंदे मातरम्’ गायन के साथ हुआ। आयोजन ने बच्चों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश दिया।

किराए के जर्जर भवनों के सहारे चल रहे कई विभाग

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। तहसील मुख्यालय बल्दीराय के अस्तित्व में आने के वर्षों बाद भी कई महत्वपूर्ण सरकारी विभागों को अपना स्थायी भवन नसीब नहीं हो सका है। कई कार्यालय आज भी किराए के भवनों में संचालित हो रहे हैं, जबकि कुछ विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को भी किराए के भवनों में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर कुछ सरकारी भवन बनकर तैयार हैं, लेकिन उनका संचालन अब तक शुरू नहीं हो सका है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि बार–बार मांग के बावजूद संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों की ओर से इस दिशा में ठोस पहल नहीं की गई। बल्दीराय क्षेत्र में विद्युत विभाग का कार्यालय लंबे समय से किराए के भवन में संचालित हो रहा है। भवन की स्थिति जर्जर है। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी स्थायी आवास की व्यवस्था नहीं है और उन्हें किराए के भवनों में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि विभागीय भवन और आवास निर्माण की मांग कई बार उठाई गई, लेकिन अभी तक निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई। लोगों ने शासन और विभागीय अधिकारियों से स्थायी कार्यालय एवं आवास निर्माण के लिए बजट स्वीकृत कर जल्द कार्य शुरू कराने की मांग की है। ।वन तैयार, फिर भी 10 किमी दूर चल रहा सीओ कार्यालय बिंदेश्वरीगंज बाजार में पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय एवं आवास का भवन बनकर तैयार हो चुका है। इसके बावजूद पुलिस क्षेत्राधिकारी का कार्यालय तहसील मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर वलीपुर बाजार में संचालित हो रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब तहसील मुख्यालय के समीप कार्यालय एवं आवास का निर्माण पूरा हो चुका है तो उसका संचालन भी जल्द शुरू कराया जाना चाहिए। नए भवन में कार्यालय शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को पुलिस संबंधी कार्यों के लिए सुविधा मिलेगी और तहसील मुख्यालय पर प्रशासनिक गतिविधियों में भी समन्वय बेहतर होगा। उपनिबंधक कार्यालय की जमीन आवंटित बजट का इन्तजार उप निबंधक कार्यालय बल्दीराय भी किराए के भवन में संचालित किया जा रहा है। बताया जाता है कि राजस्व विभाग ने कार्यालय भवन निर्माण के लिए भूमि भी आवंटित कर दी थी, लेकिन अब तक स्थायी भवन का निर्माण नहीं हो सका। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जमीन उपलब्ध होने के बावजूद बजट स्वीकृत न होने के कारण निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

जगह-जगह कूड़े के ढेर में तब्दील अयोध्या,कूड़े के ढेर पूछ रहे नगर निगम से सवाल

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या नगर निगम की ओर से लगातार स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों से अपने–अपने वार्डों को स्वच्छ रखने की अपील की जा रही है। नगर निगम ने शहर में कूड़ा एकत्र करने और रखने के लिए कई स्थान भी चिन्हित किए हैं, जिनमें पुलिस लाइन के सामने समेत अन्य स्थान शामिल हैं। इसके बावजूद इन चिन्हित स्थलों और उनके आसपास कूड़े के ढेर दिखाई देना स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।शहर के कई वार्डों के अलावा स्कूलों, मंदिरों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों के आसपास भी जगह–जगह कूड़े के ढेर नजर आ रहे हैं। कई स्थानों पर नालियां गंदगी से पटी हैं तो कहीं टूटी सड़कें और जलभराव की समस्या लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है।नगर निगम लोगों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि जब कूड़ा रखने के लिए स्थान चिन्हित हैं, तो वहां नियमित उठान और सफाई की व्यवस्था कितनी प्रभावी है? पुलिस लाइन के सामने पूरा फेंकने के लिए स्थान चिन्हित किया गया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल अभियान चलाने और जागरूकता फैलाने से स्वच्छता व्यवस्था बेहतर नहीं होगी।नगर निगम द्वारा चिन्हित कूड़ा स्थलों के होने के बाद हर जगह कूड़े

का ढेर दिखाई देता है इसके चलते इधर से आसपास रहने वाले लोगों को काफी आने–जाने में इसलिए परेशानी होती है कि वहां पर दुर्गंध के अलावा संक्रामक रोग भी फैलने की आशंका रहती है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।